ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-6* September-2020
Anthology : The Research

प्राथमिक विद्यालय के बालक एवं बालिकाओं के बीच हिन्दी तथा गणित विषय में प्राप्त शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

Comparative Study of Academic Achievements In Hindi & Mathematics Subjects of Boys & Girls of Primary School

Paper Submission: 15/09/2020, Date of Acceptance: 26/09/2020, Date of Publication: 27/09/2020

निकेश चन्द
अध्यापक,
बेसिक शिक्षा विभाग,
हिन्दू डिग्री कॉलेज,
मुरादाबाद, भारत

सारांश

वर्तमान अध्ययन में बालक एवं बालिकाओं के बीच हिन्दी तथा गणित विषय में प्राप्त शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया गया। अध्ययन के लिए शहरी क्षेत्र से 144 बालक तथा 96 बालिकाओं की संख्या ली गई। प्रदत्त संकलन समान संजोग पद्धति द्वारा किया गया। प्राप्तांकों का विश्लेषण टी–परीक्षण द्वारा करने पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि हिन्दी तथा गणित विषय में दोनों ही बालकों की तुलना में बालिकाओं ने उच्च प्राप्तांक प्राप्त किए हैं।

In the present study, educational achievement achieved in Hindi and Mathematics among boys and girls was studied. 144 boys and 96 girls were taken from the urban area for the study. The collection provided was done using the same method of processing. After analyzing the scores by t-test, it was concluded that girls in Hindi and Mathematics subject to higher scores than both boys.

मुख्य शब्द : शैक्षिक उपलब्धि ।
Academic Achievement

प्रस्तावना

भारत एक कल्याणकारी राज्य है, जहाँ प्राथमिक स्तर की शिक्षा देश के सभी बालक एवं बालिकाओं को निःशुल्क प्रदान की जाती है। केन्द्र तथा राज्य सरकारों का लक्ष्य यह होता है कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। अतः कोई भी बालक या बालिका अशिक्षित ना रहने पाए। बालकों तथा बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा अनिवार्य रूप से ग्रहण करने के लिए सरकारें उन्हें नाना प्रकार से अभिप्रेरित करती रहती है। विद्यालयों में मुक्त शिक्षा स्कूल, यूनिफॉर्म, तथा पाठ्य–पुस्तकों का मुफ्त वितरण और सभी बच्चों के लिए दोपहर में खाने की व्यवस्था इसी लक्ष्य प्राप्ति के संसाधन हैं। कुछ राज्य सरकारें स्कूल आने के लिए साईकिल की व्यवस्था तथा लड़कियों द्वारा उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करने का लैपटॉप, टेबलेट, स्कूटी यहाँ तक कि नकद धनराशि (20,000 से 50,000) तक उपलब्ध कराई जाती है। इन सभी उपक्रमों एवं योजनाओं का उद्देश्य यहाँ होता है कि देश का प्रत्येक बालक एवं बालिका शिक्षित हो एवं विद्यालयों में उच्च शैक्षिक उपलब्धि को प्राप्त कर सके। उपर्युक्त संसाधन सभी को समान रूप से उपलब्ध होते हैं, लेकिन शैक्षिक उपलब्धि सभी समान रूप से प्राप्त नही कर पाते। अतः या निश्चित रूप से कहा जा सकता हैं कि बालक तथा बालिकाओं में शैक्षिक उपलब्धि स्तर कई प्रकार के व्यक्तिगत सामाजिक, आर्थिक तथा मनोवैज्ञानिक कारकों से प्रभावित होता है।

अध्ययन का उद्देश्य

वर्तमान अध्ययन में हिन्दी तथा गणित विषय में बालक तथा बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन का प्रयास किया गया है।

साहित्यावलोकन

कई पूर्ववृत्ति अध्ययनों में शैक्षिक उपलब्धि तथा यौन भिन्नता के बीच सार्थक संबंध प्राप्त किए गए है। (Cambell & Fiske, 1959; Cook & Cambell, 1979)। Murphy, 1980 ने अपने अध्ययन में पाया कि बालिकाओं की अपेक्षा

बालकों ने भूगोल विषय में अपेक्षाकृत उच्च अंक प्राप्त किया। Bolger, 1984 ने अपने अध्ययन में पाया कि शैक्षिक उपलब्धि के संदर्भ में यौन भिन्नता को लेकर कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता।

अध्ययन विधि

वर्तमान अध्ययन में शहरी क्षेत्र से 144 बालक तथा 96 बालिकाओं का चयन प्रतिदर्श के रूप में किया। शैक्षिक उपलब्धि के लिए पिछली कक्षा में प्राप्त गणित तथा हिन्दी विषय में प्राप्त प्राप्तांकों को लिया गया। प्रतिदर्श की इकाईयों का चयन प्राथमिक विद्यालयों में पाँचवी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं में से सामान संजोग पद्धति द्वारा किया गया।

परिणाम एवं विश्लेषण

प्राप्त परिणामों को विश्लेषण एवं व्याख्या के लिए सारणी संख्या I और II में दर्शाया गया है।

शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के बालक एवं बालिकाओं की हिन्दी विषय में उपलब्धि

सारणी–1

घटक	मध्यमान	संख्या	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात का मान	स्वातंत्र्य संख्या	सार्थकता स्तर
शहरी बालक	29.27	144	4.22	4.298	238	*
शहरी बालिका	31.76	96	4.51			

*** 0.01 पर सार्थक, ** 0.05 पर सार्थक, *** सार्थक नहीं**

व्याख्या

सारणी संख्या–1 के अनुसार प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 144 शहरी क्षेत्र के बालकों का हिन्दी विषय में उपलब्धि का मध्यमान 29.27 है तथा 96 शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की हिन्दी विषय में उपलब्धि का मध्यमान 31. 76 है। प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम में संचालित योजनाओं के अन्तर्गत शहरी क्षेत्र की बालक एवं बालिकाओं की हिन्दी–गणित विषय में उपलब्धि अंकों के मानक विचलन क्रमशः 4.22 व 4.51 पाया गया तथा गणना में शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की हिन्दी विषय के अंकों से क्रान्तिक अनुपात का मान 4.298 प्राप्त हुआ। यह मान इस बात को सिद्ध करता है कि दोनों समूह के हिन्दी विषय के उपलब्धि प्राप्तांकों में 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया है क्योंकि सार्थक अन्तर के प्रभाव को स्पष्ट करने के लिए 238 स्वातंत्र्य संख्या के अनुसार क्रान्तिक अनुपात का मान 0.01 व 0.05 स्तर पर मान क्रमशः 2.59 व 1.97 होना आवश्यक है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात का मान 4.290 इस आवश्यक 2.59 के 0.01 स्तर के मूल्य से अधिक है इसलिए यह स्पष्ट है कि प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय में संचालित योजनाओं का शहरी क्षेत्र के बालक एवं बालिकाओं की हिन्दी विषय की उपलब्धि में सार्थकता पाई गई अर्थात् योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव पाया गया।

अतः प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में संचालित योजनाओं का शहरी क्षेत्र के बालकों की हिन्दी विषय में उपलब्धि की अपेक्षा से प्राथमिक शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की हिन्दी विषय में उपलब्धि अधिक पाई गई।

शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के बालक एवं बालिकाओं की गणित विषय में उपलब्धि

सारणी–2

घटक	मध्यमान	संख्या	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात का मान	स्वातंत्र्य संख्या	सार्थकता स्तर
शहरी बालक	31.26	144	8.87	4.1708	238	*
शहरी बालिका	35.86	96	8.02			

*** 0.01 पर सार्थक, ** 0.05 पर सार्थक, *** सार्थक नहीं**

व्याख्या

सारणी संख्या–2 के अनुसार प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 144 शहरी क्षेत्र के बालकों की गणित विषय में उपलब्धि का मध्यमान 31.26 है तथा 96 शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की गणित विषय में उपलब्धि का मध्यमान 35. 86 है। प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम में संचालित योजनाओं के अन्तर्गत शहरी क्षेत्र के बालक–बालिकाओं की गणित विषय में उपलब्धि अंकों के मानक विचलन क्रमशः 8.87 व 8.02 पाया गया तथा गणना में शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के बालक–बालिकाओं की गणित विषय के अंकों से क्रान्तिक अनुपात का मान 4.1708 प्राप्त हुआ। यह मान इस बात को सिद्ध करता है कि दोनों समूह के गणित विषय के उपलब्धि प्राप्तांकों में 0.01 स्तर पर सार्थक प्रभाव पाया गया है क्योंकि सार्थक अन्तर के प्रभाव को स्पष्ट करने के लिए 238 स्वातंत्र्य संख्या के अनुसार क्रान्तिक अनुपात का मान 0.01 व 0.05 स्तर पर मान क्रमशः 2.59 व 1.97 होना आवश्यक है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात का मान 4.1708 इस आवश्यक 2.59 के 0.01 स्तर के मूल्य से अधिक है इसलिए यह स्पष्ट है कि प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय में संचालित योजनाओं का शहरी क्षेत्र के बालक एवं बालिकाओं की गणित विषय की उपलब्धि में सार्थकता पाई गई अर्थात् योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव पाया गया।

अतः प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में संचालित योजनाओं का शहरी क्षेत्र के बालकों की गणित विषय में उपलब्धि की

अपेक्षा शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की गणित विषय में उपलब्धि अधिक पाई गई।

निष्कर्ष

1. हिन्दी विषय में बालकों की तुलना में बालिकाएँ उच्च प्राप्तांक प्राप्त करती हैं।
2. गणित विषय में भी बालिकाएँ बालकों की अपेक्षा उच्च प्राप्तांक प्राप्त करती हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *Bolger, N (1984). Gender Difference in Academic Achievement According to Method of Measurement. Pager presented at the Annual Convection of APA August 1984 Toronto.*
2. *Cambell, D. & Fiske, D. (1959). Convergent and Discriminate Validation by the Multi-trait Multi-method Matrix. Psychological Bulletin, 56, 81-105.*
3. *Coor, T. & Camball, D. (1979). Quasi Experimentation : Design and Analysis Issues for Field Setting's. New York : McGraw Hill.*
4. *Murphy, R.J. (1982). Sex Differences in Objective Test Performance. Searle, S.R. (1971). Linear Models. New York : Wiley.*
5. *Madaus, G.F. & Macnamara, J. (1970). Public Examination. A Study of the Irish Leaving Certificate. Dublin : Educational Research Centre, St. Patrick's College.*
6. *Smith, G.M. (1933). Group factors in mental tests similar in material or in structure. Achieves of Psychology, 156, 1-56.*